हिंसा के विभिन्न आयाम व हिंसा का असर

उद्देश्य :

- सत्र उपरान्त समूह के सदस्य हिंसा व हिंसा के प्रकारो को समझ पायंगे।
- सत्र उपरान्त समूह के सदस्य हिंसा का महिलाओं व पुरूषों के ऊपर पड़ने वाले असर को समझ पायेगें।
- समूह के सदस्य महिलाओं पर हिंसा रोकने के लिए स्वनियोजन तैयार कर पायेगें।

पद्धति : ब्रेन स्ट्रॉमिंग, समूह चर्चा व प्रस्तुतीकरण
समय : 2 घंटा
सामग्री : चार्ट पेपर, मार्कर, कहानी

चरण 1:–

1. सर्वप्रथम फैसलिटेटर पहले चलाये गये सत्र का रिव्यू कर लें। अगर समूह सदस्यों द्वारा किसी तरह की प्रतिक्रिया या एक्शन है तो उसे जरूर नोट कर लें।

2. फैसलिटेटर सर्वप्रथम बोर्ड यां चार्ट पेपर पर एक गोल घेरे के अन्दर 'हिंसा' शब्द लिख दे तथा इसके बाद समूह के सदस्यों से पूछें कि 'हिंसा' शब्द सुनते ही आपके दिमाग में क्या आता है?

3. फैसलिटेटर को चाहिये कि समूह के सदस्यों द्वारा बताये जाने वाले शब्दों को गोल घोरे के बाहर लिखते जाये जो निम्न प्रकार से निकलकर आ सकते हैं –

मार–पीट, बलात्कार, छेडछाड, गाली देना, खाना न देना, हत्या, धमकी देना, बाहर न जाने देना, ताने देना, आग लगा देना, डन्डे से मारना, गाली देना, जबरदस्ती शादी करना, घर से निकाल देना, दांत से काट लेना आदि।

4. समूह सदस्यों द्वारा निकाले गये बिन्दुओं को चार्ट में निम्न प्रकार से वर्गीकृत करते हुए हिंसा के प्रकारों को स्पष्ट करें –
   शारीरिक हिंसा – मारपीट, धक्का देना, दांत से काट लेना, लाठी–डन्डे से मारना, हत्या आदि
   मानसिक/भावनात्मक हिंसा – ताने मारना, गाली देना, धमकी देना, बाहर न जाने देना, जबरदस्ती या बहला फुसलाकर शादी करने के राजी करना आदि
   यौनिक हिंसा – छेडछाड़, कपड़े फाड़ना, बलात्कार, अश्लील गाने गाना व इशारा करना आदि
   आर्थिक हिंसा – पैसे छीन लेना, नौकरी करने से रोकना, सम्पत्ति छीन लेना, मजदूरी न देना आदि

5. इसके बाद फैसलिटेटर समूह के सदस्यों से पूछें कि हम हिंसा को किस तरह से परिभाषित करेगें? इसके बाद प्रतिभागियों से निकलने वाले बिन्दुओं को जोड़ते हुए 'हिंसा' की परिभाषा को निम्न प्रकार से स्पष्ट करें –

किसी व्यक्ति के द्वारा चाहे या अनचाहे तरीके से किया गया ऐसा कोई भी कार्य या व्यवहार जिससे किसी व्यक्ति को शाररिक, यौनिक, मानसिक/भावनात्मक या आर्थिक क्षति पहुॅचती है या पहुॅचने की संम्भावना है उसे हिंसा कहेगें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन "डब्लूएचओ" द्वारा की गई हिंसा की परिभाषा – "अपने या अन्य व्यक्ति या समूय या समुदाय के खिलाफ़ सोच समझकर शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल या उसकी धमकी जिसका परिणाम या संभावना चोट, मृत्यु, मनोवैज्ञानिक हानि या विकास से वंचित होना हो।"

चरण 2 :–

1. सर्वप्रथम समूह को सदस्यों को दो समूहों में बांटते हुए उन्हें कहानी पढ़ने के लिए दें तथा इसके लिए 15 मिनट का समय निर्धारित करते हुए निम्न सवालों का जवाब ढूढ़ने के लिए कहें –
   - कहानी में किस–किस प्रकार की हिंसा हो रही है?
   - हिंसा किसके–किसके साथ हो रही है?
   - हिंसा करने वाले कौन है?
   - हिंसा का महिलाओं पर क्या असर दिखायी दे रहा है?

2. इसके बाद फैसलिटेटर दोनो समूहों को एक–एक कर कहानी प्रस्तुतीकरण करने के लिए कहें तथा निकले जवाबों को निम्न टेबल के अनुसार चार्ट में लिखते जाये –

किस प्रकार की हिंसा हो रही थी	हिंसा करने वाले कौन थे	हिंसा किसके साथ हो रही थी	हिंसा का असर
			• चुप रहना • डर पैदा हो जाना/हीनभावना • लगातार बीमार पड़ना • आत्मविश्वास कम हो जाना • हड्डी टूट जाना, जल जाना • पेट में लगातार दर्द होना • जानकारी व शिक्षा से बंचित हो जाना • बाहर निकलने के मौके कम हो जाना • सेवाओं से वंचित हो जाना • अपनी बात न कह पाना • गर्भपात हो जाना • शारीरिक व मानसिक क्षति

3. फैसलिटेटर उपरोक्त प्रस्तुतीकरण के बाद समूह के सदस्यों को हिंसा से जुड़े स्वंय/परिवार या गांव से जुड़े अनुभव को बताने के लिए प्रोत्साहित करें तथा उपरोक्त टेबिल में बिन्दुओं को जोड़े।

4. इसके बाद फैसलिटेटर निम्न प्रकार से सत्र का सार बांधे – **हमारे समाज में महिलाओं और पुरूषों के साथ कई तरह से हिंसा होती है, जो गलत है। लेकिन पुरूषों की तुलना में लड़कियों और महिलाओं के साथ हिंसा बड़े व्यापक स्तर पर होती है जिसमें किसी न किसी रूप में पुरूष ही शामिल है। हिंसा का असर महिलाओं के सम्पूर्ण विकास को प्रभावित करता है। महिलाओं के साथ हिंसा उनके मानव अधिकारों का हनन है। इसलिए हम सभी पुरूषों की जिम्मेदारी है कि महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोका जाय।**

5. अंत में फैसलिटेटर समूह के सदस्यों के साथ महिलाओं पर हिंसा को रोकने के लिए निम्न प्रकार से नियोजन करें –

क्र0	स्वंय या परिवार के स्तर पर क्या पहल करेगें	समुदाय या गांव के स्तर पर क्या पहल करेगें
1		
2		
3		
4		
5		

नोट : सत्र समापन के पूर्व समूह सदस्यो की प्रतिक्रियाएं जरूर ले तथा उनके द्वारा व्यक्त किये जाने वाले विचारों को नोट कर लें तथा जरूरत के आधार पर ही स्पष्टीकरण दें।

इसके बाद अगली बार बैठनें की तिथि, समय व स्थान का निर्धारण करते हुए समूह के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए समापन करें।

कहानी 1 :– रामपुर गॉव में शीला अपने 4 बच्चों के साथ रहती है। उसके परिवार में पति, सास, ससुर भी साथ में रहते हैं। शीला की चार बेटियां हैं, शीला के घर में आये दिन इस बात को लेकर कलह होती है कि इन बेटीयों का क्या करें। शीला की चारों बेटियां पढाई में बहुत तेज हैं। बेटा न होने के कारण शीला के पति ने शीला से 6 माह से बात करना बन्द कर दिया है। शीला जब कारण पूछती है तो वह कहता है मेंने तुम्हारे लिए क्या कमी कर रखी है, घर में सब कुछ है, आराम से खाओ बांकि तुम्हें क्या मतलब। शीला का ससुर चाहता है कि इन चारों पोतियों की जल्दी शादी कर दी जाय। ताकि पोते के लिए बेटे की दूसरी शादी कर सके। इसलिए ससुर ने अपनी पोतियों का स्कूल जाना भी बन्द करा दिया है। शीला अब शरीर से भी काफी कमजारे हो गयी है। चारों बेटियों के साथ बाप रोज गाली गलौच करता है और कहता है तुम लोगों ने मेरा जीवन नरक बना दिया है। तुम लोग मुझे अपनी सकल मत दिखाओ। स्कूल छूटने के बाद बाद अब चारों बहनें घर में ही रहती हैं। उनमें से बडी बेटी राधा तनाव ग्रस्त रहने लगी है तथा वह कभी कभी घर में बिना बताये बाहर भी चल देती है। इस बात पर उसका दादा उस पर चरित्र हीनता का आरोप लगाता है और उसे मारता–पीटता है। कई बार राधा को बॉध कर रखा जाता है। इस स्थिति को देखकर तीनों छोटी बहनों ने भी अपने आप को घर में ही कैद कर रख लिया है ।

प्रश्न :
1–कहानी में किस–किस प्रकार की हिंसा हो रही है?
2–हिंसा किस–किस के साथ हो रही है?
3–हिंसा करने वाले कौन है?
4–हिंसा का किस–किस तरह का असर दिखायी दे रहा है?

कहानी 2 :– सीतापुर गॉव में रामकली रोज अपने पति के हाथ से मार खाती है। उसका दोष इतना है कि उसने एक दिन अपने जेठ को यह कह कर डांट दिया कि आप शराब पीकर घर में बच्चों की पढाई में व्यवधान डालते हैं। इतना कहते ही जेठ ने भाई से कहा इसे अभी घर से निकालों, इसने मेरा अपमान किया है। उस दिन के बाद वह रामकली पर तरह–तरह के झूठे इल्जाम लगाने लगा और आये दिन उसे परेशान करने लगा। रामकली का पति भाई की बात सच मान कर रामकली को रोज मारने पीटने लगा। रामकली ने ये सारी बाते अपने पिता और भाई को भी बताया। तंग आकर रामकली ने एक दिन आत्महत्या कर ली। उसके बाद जेठ ने रामकली की बडी बेटी सीमा जो 15 साल की थी, उसका विवाह बगैर उसकी मर्जी के 40 साल के पुरूष से कर दिया। छोटी बेटी जो 10 साल की है उसका स्कूल छुडवाकर उसे घर के काम में लगा दिया।

रामकली का पति अब अपनी छोटी बेटी को आये दिन मारता–पीटता और कहता कि सब तेरे कारण हो रहा है। छोटी लडकी अब इतना डरी सहमी रहती है कि जैसे ही बाप की आवाज सुनायी देती है, वह घर के किसी कोने में छुप जाती है और उसका व्यवहार भी अजीब हो गया हो गया है। सभी पडोस वाले यह सब देखकर चुप हैं, कि यह उनके घर का मामला है, हम क्या कर सकते हैं।

प्रश्न
1–कहानी में किस–किस प्रकार की हिंसा हो रही है?
2–हिंसा किस–किस के साथ हो रही है?
3–हिंसा करने वाले कौन है?
4–हिंसा का किस–किस तरह का असर दिखायी दे रहा है?